हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, शुक्रवार, 7 मार्च 2025

इको सेंसिटिव जोन में विकास कार्यों के लिए मिलेगी तत्काल अनुमतिः डॉ. इटनकर

जिले में बाघ अभयारण्य के आसपास प्रकृति अनुकूल विकास कार्यों को गति मिलेगी

> अनुमति के लिए तालुका स्तर पर उप-विभागीय अधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति

नागपुर.

नागपुर जिले में टाइगर रिजर्व और अभयारण्य के आसपास के इको सेंसिटिव जोन (ईएसजेड) क्षेत्र में विकासात्मक गतिविधियों के लिए अब तत्काल अनुमति दी जाएगी। पहले इस अनुमति में समय लगता था, क्योंकि यह विभिन्न विभागों से संबंधित होती थी। इस प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सरल बनाने के लिए शीघ्र ही एक विशेष एप उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे विकास कार्यों से संबंधित किसी भी परियोजना की स्वीकृति प्रक्रिया में सभी संबंधित विभागाध्यक्षों के समन्वय से तेजी लाई जा सकेगी, ऐसा जिला कलक्टर डॉ. विपिन इटनकर ने कहा।

प्रशासनिक कार्यों में तकनीकी दक्षता बढ़ाने, एआई तकनीक का उपयोग करने और इस प्रकार पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए गए निर्देशों के अनुसार पारदर्शी प्रशासन के लिए यह ऐप विकसित किया जा रहा है। जिला कलेक्टर डा. विपिन इटनकर

ने बताया कि यह मोबाइल आधारित एप आगामी दिनों में क्रियाशील हो जाएगा।

चूंकि रामटेक, उमरेड और नागपुर तालुका क्षेत्रों में बाघ अभयारण्य हैं, इसलिए उनके आस-पास के क्षेत्रों को संरक्षित क्षेत्र माना जाता है। इस पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) में विनियमित विकास गतिविधियों के लिए अनुमति दी गई है। चूंकि इसमें वन विभाग, प्रदूषण विभाग, राजस्व विभाग एवं अन्य विभागों की अनुमति प्रक्रिया शामिल है, इसलिए इसमें अधिक सुसंगति एवं सरलता लाना आवश्यक था। राजस्व मंत्री तथा पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने दिए गए निर्देशानुसार अब एप के माध्यम से अनुमति प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

ऐप के संबंध में निर्णय जिला कलेक्टर कार्यालय में डॉ. इटनकर की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में नागपुर वन विभाग के उपवन संरक्षक (डीसीएफ) भरत सिंह हाड़ा, पेंच टाइगर रिजर्व के सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) संदीप भारती और उप-विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में ईएसजेड परमिट की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कठिनाइयों को समझा गया।

यह नई प्रणाली भारत सरकार की 'व्यापार करने में आसानी' पहल के अनुरूप है और इसका उद्देश्य जिम्मेदार पर्यटन और नियोजित विकास को बढ़ावा देना है। इससे पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए स्थानीय नागरिकों के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ाने का लक्ष्य हासिल होगा। यह पहल संरक्षण उपायों को मजबूत करने और पर्यावरण अनुकूल विकास को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

अजनी में दो जगह चोरी की वारदातें

>4.91 लाख के गहने और नकदी पर हाथ साफ

नागपुर. शहर के अजनी थाना क्षेत्र में चोरों ने दो अलग-अलग घटनाओं में लाखों का माल उड़ा लिया, जिससे नागरिकों में दहशत का माहौल है। पहली घटना वसंत नगर, रामेश्वरी क्षेत्र की है, जहां फरियादी सुषमा शाम भोवते (52) अपने दो बेटों के साथ पुणे से लौटकर घर पहुंचीं। घर पहुंचने पर उन्होंने पाया कि उनकी सोने के गहनों से भरी पर्स, जिसकी कीमत करीब 3,64,500 रुपये थी, गायब थी। अज्ञात चोर ने सफर के दौरान उनका पर्स चुरा लिया था। इस संबंध में अजनी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। दूसरी घटना सद्गुरु नगर में हुई, जहां फरियादी रामदास बलराम गिद (63) परिवार सहित वरुड, जिला अमरावती में एक विवाह समारोह में गए थे। 1 से 4 मार्च के बीच अज्ञात चोरों ने उनके बंद घर का ताला तोड़कर 87,000 रुपये नकद और सोने-चांदी के गहनों सहित कुल 1,27,000 रुपये का माल चुरा लिया। दोनों ही मामलों में अजनी पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच जारी है और चोरों की तलाश की जा रही है।

शादी का झांसा देकर इंजीनियर युवती से बलात्कार

नागपुर. प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 28 वर्षीय इंजीनियर वैभव नत्थुजी गजवे पर शादी का झांसा देकर एक युवती से बलात्कार करने का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार आरोपी वैभव गजवे चंद्रपुर जिले के वरोरा का रहने वाला है और एक आईटी कंपनी में इंजीनियर के रूप में कार्यरत है।

पीड़िता भी एक इंजीनियर है। वैभव से उसकी पहचान इंस्टाग्राम पर हुई थी। वैभव प्रतापनगर थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहता था। आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया और जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 के बीच कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव डाला, तो वैभव ने इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने प्रतापनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बलात्कार का मामला दर्ज कर आरोपी वैभव गजवे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

'नई सोच-112' शॉर्ट फिल्म का भव्य पोस्टर लॉन्च

> महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जागरूकता

नागपुर. महिलाओं की सुरक्षा और सहायता के उद्देश्य से नागपुर शहर पुलिस आयुक्तालय के सहयोग से निर्मित शॉर्ट फिल्म "नई सोच-112" का पोस्टर 4 मार्च 2025 को भव्य रूप से लॉन्च किया गया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त डॉ. रविन्द्रकुमार सिंगल, सहायक पुलिस आयुक्त निसार तांबोळी और अपर पुलिस आयुक्त (गुन्हे) संजय पाटील विशेष रूप से उपस्थित थे।

"नई सोच-112" केवल एक लघु फिल्म नहीं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने वाला एक सशक्त संदेश है। इस लघुपट का निर्देशन निखील क्षीरभाते ने किया है, जबकि निर्माता सतीश मोहोड हैं। फिल्म में प्रमुख भूमिका मोहना रामटेके ने निभाई है, जबकि समर शुक्ला, हर्षल चांदेकर, प्रज्वल भोयर, पवन कालभेंडे, कपिल परागे, रूपाली मोरे, स्वप्नील भोंगाडे सहित क्राइम ब्रांच भरोसा सेल नागपुर शहर पुलिस टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

फिल्म की सिनेमैटोग्राफी चंदन पंडित और प्रतीक ठाकरे ने की है, जबकि संगीत की जिम्मेदारी मुकुल काशीकर ने संभाली है। संपादन का कार्य जागृति भोंगाडे और प्रतीक ठाकरे ने किया है। फिल्म के क्रिएटिव हेड संदीप टिक्कस, प्रोडक्शन मैनेजर करिश्मा बोरखेडे, कॉस्ट्यूम डिजाइनर वैष्णवी रामटेके, एसोसिएट डायरेक्टर चेतन सिंगल, और असिस्टेंट डायरेक्टर सार्थक देव हैं।

यह शॉर्ट फिल्म 6 मार्च 2025 को ऑरेंज सिटी प्रोडक्शन के यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगी। फिल्म के माध्यम से 112 हेल्पलाइन की जानकारी और इसकी उपयोगिता को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जिससे महिलाएं संकट की स्थिति में तुरंत मदद प्राप्त कर सकें।

मध्य नागपुर के पूर्व विधायक डॉ. यशवंत बाजीराव का निधन

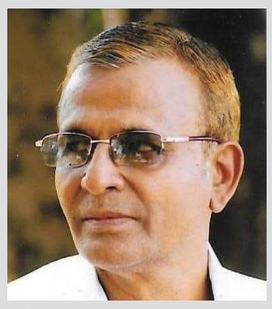

नागपुर. मध्य नागपुर के पूर्व विधायक डॉ. यशवंत बाजीराव का 6 मार्च को सुबह 10:30 बजे सेवन स्टार अस्पताल, नागपुर में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 7 मार्च यानी आज सुबह 11:00 बजे गंगाबाई घाट पर किया जाएगा। डॉ. यशवंत बाजीराव अखिल भारतीय आदिवासी हलबा विकास परिषद के संस्थापक व अध्यक्ष थे। उन्होंने न्यू इंग्लिश हाई स्कूल और मोहता साइंस कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की थी। वे विदर्भ कबड्डी टीम के कप्तान रहे और राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती भी लड़ी। युवक कांग्रेस से राजनीति की शुरुआत करने वाले डॉ. यशवंत बाजीराव ने हलबा समाज के हक और न्याय के लिए कई आंदोलन किये। 1983 में 9 दिन सेंट्रल जेल में आमरण अनशन, वहीं 1994 में मुंबई चर्चगेट पर 9 दिन का आमरण अनशन किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन हलबा समाज के अधिकारों और न्याय के लिए समर्पित कर दिया।

कोल्हापुर पुलिस ने कोरटकर की गिरफ्तारी के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नागपुर. राष्ट्र माता जिजाऊ, छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के बारे में विवादित बयान देकर इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को गाली देने के आरोपी प्रशांत कोरटकर की गिरफ्तारी के लिए कोल्हापुर पुलिस ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। कोल्हापुर पुलिस ने गुरुवार को कोराटकर की जमानत याचिका रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है। ज्ञात हो कि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कल सदन में कहा था कि वे कोराटकर की जमानत रद्द करवाने के लिए उच्च न्यायालय जाएंगे। इतिहास के विद्वान इंद्रजीत सावंत ने फिल्म 'छावा' में उनकी भूमिका प्रस्तुत की थी। तथाकथित पत्रकार प्रशांत कोरटकर ने उन्हें फोन करके सीधे तौर पर धमकी दी और उन पर ब्राह्मण समुदाय से नफरत करने का आरोप लगाया। सावंत ने इस संबंध में फोन पर हुई बातचीत को फेसबुक पर पोस्ट किया है। आरोप है कि 'मुख्यमंत्री के खास आदमी' के तौर पर मशहूर प्रशांत कोरटकर ने सावंत को अभद्र भाषा में गाली दी और उनके घर आकर जान से मारने की धमकी दी थी। कोरटकर ने राष्ट्र माता जिजाऊ, छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज को लेकर भी विवादित बयान दिया था, इस मामले में कोल्हापुर के जूना राजवाड़ा पुलिस स्टेशन में प्रशांत कोरटकर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जैसे ही मामला दर्ज हुआ, कोरटकर ने जनता से माफी मांगने के बजाय यह रुख अपनाया कि "यह मेरी गलती नहीं है।" इसके बाद वह नागपुर पुलिस को झूठी रिपोर्ट देकर भाग गया।कोल्हापुर पुलिस बल के पुलिस उपनिरीक्षक संतोष गालवे के नेतृत्व में एक टीम उसे गिरफ्तार करने नागपुर पहुंची। हालांकि, ऐसी चर्चा थी कि वह कुछ पुलिसकर्मियों की मदद से कहीं सुरक्षित स्थान पर छिपा हुआ है। अंत में कोल्हापुर पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। अगले ही दिन कोरटकर की पत्नी पल्लवी ने बेलतरोड़ी पुलिस स्टेशन में अपनी जान को खतरा होने की शिकायत दर्ज कराई।

तीसरे दिन उनकी पत्नी पल्लवी फरार कोरटकर का मोबाइल फोन और सिम कार्ड लेकर साइबर पुलिस स्टेशन पहुंची। क्या इन सभी घटनाक्रमों के पीछे कोरटकर को गृह मंत्रालय का आशीर्वाद प्राप्त है? ऐसा प्रश्न उठ खड़ा हुआ है। कोल्हापुर अदालत ने कोरटकर को 11 मार्च तक अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि, कोल्हापुर पुलिस ने सरकारी वकील के माध्यम से उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर करने की अनुमति मांगी थी जिसमें मांग की गई थी कि उनकी जमानत रद्द की जाए। गुरुवार दोपहर को कोल्हापुर पुलिस ने अंतरिम जमानत रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में आवेदन दायर किया।आरोपी प्रशांत कोराटकर की अंतरिम जमानत रद्द करने के लिए सरकारी वकील के माध्यम से अनुमति मांगी गई है।

ट्रक फाइनेंस घोटाला: एसआईटी ने 5 ट्रांसपोर्टरों को दबोचा

> फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों की धोखाधड़ी

नागपुर.

बैंकों और फाइनेंस कंपनियों को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाले ट्रक फाइनेंस घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने इस मामले में 5 ट्रांसपोर्टरों को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए ट्रकों की हेराफेरी कर रहे थे। आरोपियों ने बैंकों से लोन पर ट्रक खरीदे, फिर इंजन और चेसिस नंबर बदलकर फर्जी रजिस्ट्रेशन तैयार किए और उन्हें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नगालैंड में बेच दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद सोहेल मोहम्मद शाबिर (28) निवासी संजयनगर, कामठी; मोहसीन उर्फ रजा खान अजीम खान (34) निवासी लाव्हा, वाड़ी; इरफान अयूब खान (42) निवासी गीतांजलि चौक, सेंट्रल एवेन्यू; रिजवान अयूब खान (32) निवासी वृंदावननगर, हसनबाग; और जोहेब शेख इब्राहिम शेख (28) निवासी स्मृतिनगर, कोराड़ी के रूप में हुई है।

कैसे होता था ट्रक फाइनेंस घोटाला?

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पहले बैंकों से लोन पर ट्रक खरीदे। कुछ महीनों तक किस्त चुकाने के बाद उन्होंने ईएमआई देना बंद कर दिया और ट्रकों को यार्ड में छिपा दिया। इसके बाद ट्रकों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर नए दस्तावेज तैयार किए गए और आरटीओ में फर्जी रजिस्ट्रेशन करवाया गया। इन नए दस्तावेजों के आधार पर ट्रक दूसरे राज्यों में ट्रांसफर कर दिए जाते थे।

16 ट्रक जब्त,आरटीओ अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

एसआईटी की जांच में अब तक 16 ट्रक जब्त किए जा चुके हैं, जो फर्जी दस्तावेजों पर दूसरे राज्यों में बेचे गए थे। पुलिस को संदेह है कि इस घोटाले में कुछ आरटीओ अधिकारियों की मिलीभगत भी हो सकती है, जिन्होंने अवैध तरीके से ट्रकों के नए रजिस्ट्रेशन किए। पुलिस जल्द ही इन अधिकारियों से पूछताछ करने वाली है।

बैंकों को करोड़ों रुपये का नुकसान

इस फर्जीवाड़े से बैंकों और फाइनेंस कंपनियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है।एसआईटी इस रैकेट के अन्य आरोपियों को पकड़ने और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी हुई है।

वाहन चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

> 7 मामलों का खुलासा

नागपुर.

बेलतरोडी पुलिस ने एक वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने 7 वाहन चोरी के मामलों का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार, 3 मार्च को शाम 7 बजे से 7:40 बजे के बीच, फरियादी प्रशांत माणिकराव मोहाडीकर (51) न्यु स्नेह नगर, रेसिडेंसी ब्ल्यू होटल के पास निवासी ने अपनी एक्टिवा गाड़ी को जय ऑटो मोबाइल्स के पार्किंग में लॉक कर खड़ा किया था। तभी अज्ञात चोर ने उनकी एक्टिवा चुराकर ले गया। प्रशांत मोहाडीकर ने बेलतरोडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

बेलतरोडी पुलिस स्टेशन की जांच टीम ने तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल करते हुए आरोपी की पहचान की और आरोपी आशिष रामदास मडावी, (30) जयंती नगरी नं. 02,निरंजन नगर, बेलतरोडी निवासी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में न सिर्फ इस घटना की बल्कि बेलतरोडी, अजनी और धंतोली क्षेत्रों में कुल 7 वाहन चोरी करने की बात कबूल की। आरोपी के पास से चोरी की गई 8 दोपहिया वाहन, एक मोबाइल फोन और एक डुप्लीकेट चाबियों का गुच्छा बरामद कर करीब 2,65,000 रुपये का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई के पुलिस उप आयुक्त रश्मीता राव और सहायक पुलिस आयुक्त अशोक शेलके के मार्गदर्शन में मं. पो. नि. रूपाली बावणकर, स. पो. नि. राम कांडुरे, पो. हा. शैलेष बडोदेकर, अजय नेवारे, नितीन गुडवार, अरुण सातपुते, पो. अं. हेमंत उईके, विवेक श्रीपाद, मंगेश कामीलकर, महेश सेन और सचिन डोंगरदिवे ने मिलकर की है।

तेज रफ्तार वाहन ने ली महिला की जान

नागपुर. तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की एक और घटना में कलजीतकौर हुडा (47) नामक महिला की जान चली गई। यह हादसा 4 मार्च 2025 की सुबह 7:30 से 8:15 बजे के बीच गड्डीगोदाम चौक, सदर थाना क्षेत्र में हुआ। जानकारी के अनुसार, कलजीतकौर हुडा, जो वैशाली नगर, पाचपावली की निवासी थीं, अपनी मोपेड से घर लौट रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उपचार के लिए विम्स अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घातक हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

>कोराडी पुलिस की कार्रवाई

नागपुर.कोराडी पुलिस ने एक युवक को घातक हथियार के साथ गिरफ्तार किया है, जो किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान उसे संदिग्ध हालात में पकड़ा है। जानकारी के अनुसार 4 मार्च की रात करीब 10:40 बजे पुलिस की टीम कोराडी थाना क्षेत्र में अपराधियों की तलाश में गश्त कर रही थी। इसी दौरान महादुला टी-पॉइंट के पास ब्रिज के पिलर के पीछे एक युवक संदिग्ध रूप से छिपा बैठा दिखाई दिया। जब पुलिस ने उसे आवाज दी, तो वह भागने लगा। पुलिस ने तुरंत उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसकी कमर से लकड़ी के हत्थे वाला लोहे का चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में युवक ने अपना नाम राजेश उर्फ शिवकुमार पृथ्वीराज गुप्ता (21), वाठोडा रिंग रोड, माता नगर, स्वामीनारायण मंदिर के पीछे निवासी बताया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने की मंशा से हथियार के साथ मौजूद था। साथ ही, उसने सहायक पुलिस आयुक्त, नागपुर शहर के निषेध आदेश का उल्लंघन किया। इस मामले में पुलिस कांस्टेबल राहुल कनोजिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 4/25 और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 135 के तहत कोराडी थाने में अपराध दर्ज किया गया है।

मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक धात्रक द्वारा की जा रही है। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है कि वह किस उद्देश्य से हथियार लेकर घूम रहा था।

नागपुर में शुरू होगा 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क'

> 9 मार्च से प्लांट का परिचालन
>10 हजार से ज्यादा युवाओं को मिलेगा रोजगार

नागपुर.

मिहान (नागपुर में) क्षेत्र में 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' की शुरूआत होने जा रही है. 9 मार्च

2025 से इस प्लांट का परिचालन शुरू हो जाएगा. नागपुर प्लांट के माध्यम से पतंजलि ने अभी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लगभग 500 लोगों को रोजगार प्रदान किया है. जैसे-जैसे कार्य विस्तार लेगा वैसे-वैसे यह संख्या तेजी से बढ़ेगी. जल्द ही इस प्लांट से 10 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिल सकता है.

नागपुर में स्थापित होने वाला पतंजलि का यह फ्रूट्स एण्ड वैजीटेबल्स प्रोसेसिंग प्लांट है, जिसमें सिटरस और ट्रॉपिकल फल-सब्जियों को प्रोसेस करके जूस, जूस कन्संट्रेट, पल्प, पेस्ट और प्यूरी का उत्पादन कर सकते हैं. यहां सिटरस फ्रूट्स जैसे संतरा, कीनू, मौसम्मी, नींबू इत्यादि की बहुलता है. इसको दृष्टिगत रखते हुए पतंजलि ने सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया है.

टेट्रा पैक यूनिट भी की जाएगी स्थापित

इसके साथ ही रीटेल पैकिंग की प्रक्रिया को सेकेंडरी प्रोसेसिंग कहते हैं. इसके लिए नागपुर फैक्ट्री में टेट्रा पैक यूनिट भी स्थापित की जाएगी. पतंजलि लोगों को आरोग्य प्रदान करती है. उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए टैट्रा पैक एसेप्टिक पैकेजिंग में किसी भी तरह का प्रिजर्वेटिव या शुगर प्रयोग न करते हुए प्रीमियम सैगमेंट में उत्पाद उपलब्ध कराए जाते हैं.

कोंढाली को तहसील बनाने की मांग तेज

> विधायक चरणसिंह ठाकुर को सौंपा गया ज्ञापन

> पूर्णकालिक नायब तहसीलदार की नियुक्ति की मांग, प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार की अपील

कोंढाली.

कोंढाली और उसके आसपास के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के लोगों को राजस्व विभाग से संबंधित प्रमाण पत्रों और अन्य कार्यों के लिए लगभग 35-40 किलोमीटर दूर काटोल तहसील कार्यालय जाना पड़ता है। इतनी दूरी तय करने के बावजूद कई बार काम न होने से लोगों का श्रम, धन और समय बर्बाद होता है। इस समस्या को देखते हुए लंबे समय से कोंढाली को तहसील का दर्जा देने की मांग की जा रही है।

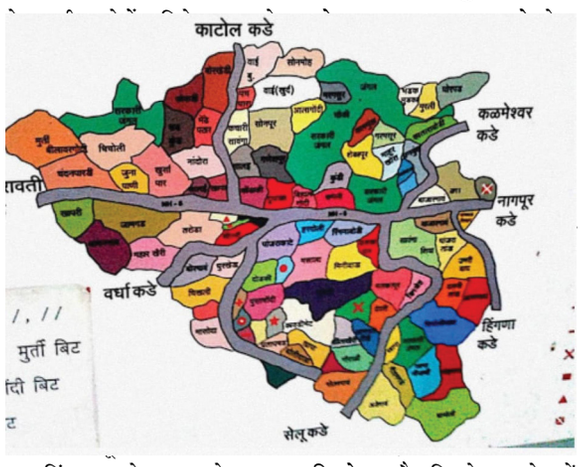

गौरतलब है कि महाराष्ट्र क्षेत्रफल और वन संपदा क्षेत्र का चरणसिंह ठाकुर के माध्यम से शासन को कोंढाली को तहसील का दर्जा देने का ज्ञापन सौंपा। बताया जा रहा है कि काटोल उपविभागीय कार्यालय द्वारा इस संबंध में आवश्यक जानकारी, जैसे प्रस्तावित गांवों की सूची, की योजना है, जिससे इस क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा। कोंढाली को तहसील बनाने की मांग पूरी होने तक यहां पूर्णकालिक नायब तहसीलदार की नियुक्ति किए जाने की भी मांग उठाई गई है। पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री रमेश बंग के प्रयासों से पहले यहां सप्ताह में दो दिन (सोमवार और बुधवार) के लिए नायब तहसीलदार का कार्यालय खोला गया था। लेकिन कुछ समय बाद तहसील कार्यालयों में अधिकारियों की कमी के कारण यह सेवा भी बंद हो गई। बाद में पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने इस मुद्दे पर जिलाधिकारी से चर्चा कर बुधवार के दिन नायब तहसीलदार की सेवा बहाल कराई। कोंढाली को तहसील का दर्जा देने की प्रक्रिया पूरी होने तक वहां पूर्णकालिक नायब तहसीलदार की नियुक्ति के लिए राजस्व विभाग, मुंबई से मंजूरी आदेश जारी करने की मांग की गई है। इस मुद्दे को आगामी बजट सत्र में विधायक चरणसिंह ठाकुर द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों से चर्चा कर हल कराने का प्रयास किया जाएगा।

कोंढाली क्षेत्र सुधार समिति है।

शासन के आदेशों का पालन होगा

इस मुद्दे पर काटोल के अधिकारी पियूष चिवंडे ने कहा कि यह मामला पूरी तरह से शासन के निर्णय पर निर्भर करता है। जो भी आदेश आएंगे, उनका पालन किया जाएगा। फिलहाल, कोंढाली में सप्ताह में एक दिन (बुधवार) के लिए नायब तहसीलदार कार्यालय चालू किया गया है।

के दुर्गाप्रसाद पांडे, योगेश चाफले, प्रवीण (बंडू) गोड़बोले, बालकिशन पालीवाल, पूर्व सरपंच केशवराव धुर्वे, पूर्व उपसरपंच स्वप्निल व्यास, विशाल काळबांडे, पूर्व जिला परिषद सदस्य रामदास मराकाम, राष्ट्रपाल पाटील, सतीश चव्हाण, संजय राऊत, याकूब पठाण, नितीन ठवले सहित कई स्थानीय नागरिकों और नेताओं ने इस मांग का समर्थन किया

संतभूमि टाकलघाट में अखंड ज्योत, संत विक्तूबाबा मंदिर में भक्ति की महक

> सवा महीने तक भक्तों की उमड़ेगी भीड़

बुटीबोरी. नागपुर जिले के टाकलघाट स्थित संत विक्तु बाबा की समाधि पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। विदर्भ सहित पूरे महाराष्ट्र और देश के विभिन्न राज्यों में प्रसिद्ध संत वित्तुजी बाबा, जिन्हें श्रीसंत बेड़ीवाले बाबा के नाम से भी जाना जाता है, के भक्तों का यहां लगातार आगमन हो रहा है।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष सप्तमी, गुरुवार 6 मार्च को सुबह 5 बजे से संत वित्तुजी बाबा के गुरु, संत किसनदास बाबा के विहार में अखंड 'फुलवत' प्रज्ज्वलित की जाएगी। यह अनुष्ठान पूरे सवा महीने तक चलेगा, जिसके दौरान भक्तगण बाबा की समाधि पर मत्था टेकने और भक्ति में लीन होने के लिए उमड़ेंगे। टाकलघाट, जो नागपुर-वर्धा जिले की सीमा पर स्थित है, में जानबाजी डांगरे नामक एक दंपत्ति निवास करते थे।

उनकी संतान प्राप्ति की प्रार्थना पर संत किसनदास बाबा की कृपा से एक दिव्य शिशु का जन्म हुआ, जो आगे चलकर संत वित्तुजी बाबा के रूप में प्रसिद्ध हुए। उनके दादा फकीराजी डांगरे, संत किसनदास बाबा के बड़े भक्त थे और उनकी भक्ति से प्रभावित होकर ही यह चमत्कारी संतान प्राप्त हुई। समय के साथ संत वित्तुजी बाबा की महिमा बढ़ती गई, और उन्हें 'बेड़ीवाले बाबा', 'ओटेवाले बाबा', 'ढाडीवाले बाबा' तथा 'पोटेवाले बाबा' जैसे नामों से भी जाना जाने लगा। भक्तों का विश्वास था कि बाबा के आशीर्वाद से घर की अशांति दूर होती है और शरीर के कष्टों से मुक्ति मिलती है। बाबा के उपासक अरंडी के तेल के फूल जलाकर और नामस्मरण कर अपनी मनोकामनाएँ पूर्ण करने की प्रार्थना करते थे।

सवा महीने तक

टाकलघाट रहेगा भक्तिमय

इस विशेष अनुष्ठान के दौरान टाकलघाट में सवा महीने तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहेगी। दिन-रात भक्तगण बाबा की समाधि के दर्शन के लिए उमड़ेंगे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहेगा। इस दौरान मंदिर परिसर और संतभूमि टाकलघाट भक्ति, श्रद्धा और आस्था के रंग में रंगी रहेगी।

दुर्गानगर महिला मंडल ने किया पारडी में भजन-

कामठी.

पिछले दिनों पारडी दुर्गानगर स्थित मुरलीधर मंदिर में दुर्गानगर की महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की।

मुरलीधर मंदिर में महिला मंडल ने मां के भजन सुनाया। यहां सुबह मां की पूजा हुई। इसके बाद महिलाओं की मंडली ने दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक सामूहिक रूप से मां का भजन किया और मां दुर्गा का गुणगान किया। महिलाओं ने मां शेरा वालिए, शेर पर सवार, ध्यानू भक्त आदि भजनों के साथ नृत्य भी किया। हनुमान चालीसा का पाठ कर परिवार की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के सफलतार्श भजन मंडल की अध्यक्षा सुनंदा इटनकर, उपाध्यक्ष अरुणा सेलोकर, कोषाध्यक्ष मंदा इटनकर, रूपाली इटनकर, सुनीता फेंगड़े, मनीषा गड़मड़े, वंदना गिरड़कर, शालिनी हटवार, संतोषी राऊत, वंदना कांबली सहित ढोलकबाद राकेश इटनकर, स्वप्निल इटनकर आदि श्रद्धालु प्रमुखता से मौजुद रहें।

जीकेपीएल टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेता बने एमजे वीर

> बॉम्बे मैरवीक्स रहा उपविजेता

कामठी.

शहर के केंटोनमेंट एरिया स्थित गोकुलधाम में सोमवार की देर शाम को जीकेपीएल इन हाउस टेनिस बॉल ऑक्शन बेस क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। यह मैच एमजे वीर बनाम बॉम्बे मैरवीक्स के बीच खेला गया। जिसमें एमजे वीर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर निर्धारित ओवर में 106 रन बनाया। जिसके जवाबी पारी में बॉम्बे मैरवीक्स ने 96 बनाकर ओवर की समाप्त हो गया। इसके साथ ही एमजे वीर 11 रन से जीत हासिल कर विजेता बने।

इस फाइनल मैच के विजेता टीम एमजे वीर को मुख्य अतिथियों द्वारा 31 हजार नगद राशि एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं उप विजेता टीम बॉम्बे मैरवीक्स को भी मुख्य अतिथियों द्वारा 21 हजार की नगद राशि एक ट्रॉफी प्रदान की गई। फायनल मैच में मुख्य अतिथि बतौर छावनी क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष रितेश मानसिंह यादव, नागपुर ज़िला भाजपा महामंत्री उदयसिंग उर्फ गज्जू यादव, भंडारा ज़िला मध्यवर्ती बैंक के अध्यक्ष सुनील फुंदे प्रमुखता से मौजुद रहें। टूर्नामेंट में अम्पायर के रूप में नवीन वर्मा, आदित्य मंत्री, सुदर्शन मिश्रा (स्कोरर) मौजूद रहे। छावनी क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष रितेश मानसिंह यादव ने कहा प्रतियोगिता हार और जीत की होती है।

जिसमें कोई जीता है तो कोई हारता है। सभी कोई खेल को एक खेल की भावना से देखें। इसमें कोई शक नहीं है कि कोई खिलाड़ी एक- दूसरे से कम है। मौके पर टीम ओनर्स में सीरिया टाइगर टिम के प्रकाश सीरिया, एम.जे. वीर टिम के मन्नू जौहर, बॉम्बे मैरवीक्स के शैबी लालवानी, वीर आल ब्लास्टर टिम के अमर गोमेकर, कुशल टाइटंस के भारत छल्लानी, कैंट एलेवेंन टिम के पंकज तिवारी, मास्टर एलेवेंन टिम के महेश गंगवानी सहित नंदू दयानी, संजय खोपरागडे, अमोल मेहरे, समीर यादव, गौरांग नायर, मुरली गंगवानी, सुशील हरडवानी, रोहित पाठक, प्रदीप सीरिया, मोनु कुस्वाह, सुशील, रोचलानी, विवेक मंगतानी, विपिन शर्मा, शंकर गैंगवानी, श्याम शर्मा, श्रीकांत मुमरि, निशांत मुमरि, राकेश यादव, राजेश चौधरी, बापि बिस्वास आदि गणमान्य व्यक्ति प्रमुखता से मौजुद रहें। ज्ञात हो कि टूर्नामेंट के प्रायोजक में थर्टी सिक्स माइल् रीसॉट, एम्पायर पार्कलैंड / स्वाद चाय, खुशबु मोटर, पोरवाल टूटोरियां रहे। वहीं टूरनामेंट का लाइव प्रसारण डब्लूडीजेड द्वारा किया गया।

टूर्नामेंट के सफलतार्थ सत्यजीत शर्मा, शैबी लालवानी, भारत छल्लानी,अमर गोमेकर, प्रमेंद्र यादव, बृजेश शुक्ला, प्रकाश सीरिया, पंकज तिवारी, महेश गंगवानी, राजेश दुबे, कमल उर्फ लालू यादव, संजू शर्मा, रामा कलंट्री, मुकेश सतीजानी, बांटी यादव, सन्नी शर्मा, मनप्रीत सिंग, देव शर्मा, सौरभ लालवानी, पलाश गंगवानी, यश दुबे, दिलीप ठाकुर, सौरभ यादव, राजा बेदी, राजा जौहर सहित अन्य गणमान्यों ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से विशेष सहयोग किया।

रणाला में रामलीला के माध्यम से धर्म-संस्कृति का प्रचार

कामठी.

रणाला ग्राम पंचायत अंतर्गत समाज भवन में उत्तर प्रदेश स्थित विधांचल धाम काशी के धर्म प्रचारक रामलीला मंडल के कलाकारों द्वारा प्रतिदिन शाम 8 से रात 10 बजे तक रामलील के माध्यम से रामायण की कथाओं का मंचन किया जा रहा है।

इस दौरान सीता स्वयंवर, धनुष यज्ञ, रामसीता विवाह, रावण-बाणासुर एवं परशुराम-लक्ष्मण संवाद जैसी अनेक कथाओं का मंचन किया जा रहा है। मंडल के संचालक पं. आनंद नाथ शुक्ला ने बताया कि धर्म एवं संस्कृति के प्रचार के लिए उनके मंडल द्वारा वर्षभर अनेक स्थानों पर रामलीला का मंचन किया जाता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलीला को देखने पहुंचते हैं।

यशवंतराव चव्हाण घरकुल योजना के तहत आवास स्वीकृति की मांग

कोंढाली.

महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू की गई यशवंतराव चव्हाण घरकुल योजना का उद्देश्य विमुक्त जातियों एवं घुमंतू जनजातियों को स्थायी आवास प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, कौन्सिल फॉर ह्यूमन राइट्स के काटोल तहसील अध्यक्ष एवं भाजपा युवा मोर्चा नागपुर जिला सदस्य बब्लू बिसेन ने इन समाजों के लिए आवास की स्वीकृति की मांग की है। बब्लू बिसेन ने कहा कि नागपुर जिले के काटोल तालुका के कोंढाली, वढरपुरा, शिरमी, साईखोड और विकासनगर में रहने वाले विमुक्त जातियों एवं घुमंतू जनजातियों के परिवारों को यशवंतराव चव्हाण घरकुल योजना का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि ये परिवार आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं और बदलते मौसम की चुनौतियों से जूझते रहते हैं। ऐसे में उनका एक स्थायी आवास होना बेहद जरूरी है, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

इस मांग को लेकर बब्लू बिसेन ने नागपुर जिलाधिकारी, काटोल के उपविभागीय अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, तहसीलदार, डीएफओ और आरएफओ को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द इन परिवारों को योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि वे भी बेहतर जीवन जी सकें।

सुराबर्डी तालाब क्षेत्र का अतिक्रमण तुरंत हटाएं : हाई कोर्ट

नागपुर.

सुराबर्डी तालाब परिसर और पांदण सड़क (पगडंडी) पर किया गया अतिक्रमण तत्काल हटाने के सख्त आदेश बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने तहसीलदार को दिए हैं। कोर्ट के आदेश के अनुसार तहसीलदार और सुराबर्डी ग्राम पंचायत को अतिक्रमण हटाने की संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह में कार्यवाही की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करनी है।

नागपुर खंडपीठ में नितिन शेंद्रे ने यह जनहित याचिका दायर की है। याचिका पर बुधवार को न्या. नितीन सांबरे और न्या. वृषाली जोशी के समक्ष सुनवाई हुई। याचिका के अनुसार, अमरावती मार्ग और वाडी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाला सुराबर्डी तालाब लगभग 75.39 हेक्टेयर में फैला हुआ है। इस तालाब का पानी न केवल सुराबर्डी ग्राम पंचायत बल्कि नागपुर शहर के लिए पीने योग्य नहीं है। सुराबर्डी तालाब दुरावस्था स्थिति में है और यहां अतिक्रमण भी हो चुका है। इसलिए याचिका में अनुरोध किया गया है कि सुराबर्डी तालाब को प्रदूषण से बचाने के लिए तुरंत प्रभावी कार्यान्वयन योजना का आदेश दें। तालाब के पास आम जनता के लिए पर्यटन विकास के उद्देश्य से लीज पर दी गई जमीन का निजी उपयोग करने की बात सामने आई थी। साथ ही तालाब के आसपास की अन्य समस्याएं भी न्यायालय के संज्ञान में आईं। इस पर पिछली सुनवाई में कोर्ट ने वीआईडीसी के कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई थी। साथ ही न्यायालय ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि वीआईडीसी के अधिकारियों के कारण न्यायालय का समय व्यर्थ जा रहा है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो अधिकारियों के वेतन से पैसे काटने की भी कोर्ट ने चेतावनी दी थी। बुधवार को हुई सुनवाई में तालाब के आसपास किए गए अतिक्रमण का मुद्दा उठाया गया। इस पर

राज्य सरकार ने जवाब देते हुए कहा कि, तालुका लैंड रेकार्ड ने हाल ही में तालाब परिसर का सर्वेक्षण किया, जिसमें पादंण सड़क और अन्य कुछ जगह अतिक्रमण करने की बात सामने आई। तालुका लैंड रिकार्ड ने इस बारे में 3 मार्च 2025 को तहसीलदार को इसकी जानकारी दी, लेकिन तहसीलदार या ग्राम पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाने कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए कोर्ट ने उक्त आदेश जारी किए। याचिकाकर्ता की ओर से एड. सुधीर मालोदे, राज्य सरकार की ओर से एड. दीपक ठाकरे और वीआईडीसी की ओर से एड. जेमिनी कासट ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान वीआईडीसी और महाराष्ट्र राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ठोस कदम न उठाने को लेकर कोर्ट ने जमकर फटकारा।

साथ ही इन्हें एक सप्ताह में विस्तृत शपथ पत्र दायर करने के आदेश दिए। सुनवाई में वीआईडीसी ने बताया कि, पर्यटन विकास परियोजना के तहत विदर्भ में 16 स्थानों पर जमीन लीज पर दी गई है। इनमें कुछ जगह पर्यटन चल रहा है तो कहीं विकास कार्य हो रहा है। लेकिन जहां कुछ नहीं चल रहा, ऐसी जमीन पर्यटन विकास के लिए एमटीडीसी को देने पर वीआईडीसी विचार कर रहा है। चूंकि यह जानकारी शपथ पत्र में नहीं थी, इसलिए कोर्ट ने उक्त आदेश दिया।

मेडिकल अस्पताल में स्ट्रेचर से हो रही थी ईंट ढुलाई, शिकायत के बाद लगाइ रोक

नागपुर. मेडिकल अस्पताल में धड़ल्ले से निर्माणकार्य शुरू है। इसके लिए ठेकेदार द्वारा निर्माणकार्य सामग्री ले जाने के लिए स्ट्रेचर का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है।

बुधवार को दैनिक भास्कर के नागपुर संस्करण में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करने के बाद मेडिकल प्रशासन हरकत में आया। मेडिकल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अविनाश गावंडे ने इस मामले में पीडब्ल्यूडी को नोटिस देकर जवाब मांगा है। इससे पहले मंगलवार को निर्माण के चलते स्ट्रेचर पर ईंट लेकर जाते हुए मजदूरों को चिकित्सा अधीक्षक ने अपने राउंड के दौरान पकड़ा था। मजदूरों को फटकार लगाने के साथ ही संबंधित ठेकेदार को सख्त हिदायत दी।

स्ट्रेचर का उपयोग मरीजों के लिए किया जाता है, भविष्य में इस तरह की मनमर्जी करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। 75 साल पुराने मेडिकल अस्पताल में सुविधाएं व संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 514 करोड़ रुपए की मंजूरी सरकार ने दी है। इस राशि से मेडिकल में विकासकार्य शुरू है। मेडिकल के भीतर व बाहर निर्माणकार्य चल रहा है। अनेक स्थानों पर सुविधाओं का अपग्रेडेशन हो रहा है, लेकिन अधिकतर काम रामभरोसे चल रहा है।

गणेशपुर से भवानी चौकीगढ़ मार्ग पर गड्ढों की भरमार

> सड़क सुधार की मांग तेज

कोंढाली.

दुधला-बिहालगोंदी के गणेशपुर से श्री क्षेत्र भवानी माता मंदिर चौकीगढ़ तक जाने वाली सड़क की हालत बदतर हो गई है। करीब 3 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में नवरात्रि के अवसर पर श्री क्षेत्र भवानी माता मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। श्रद्धालु अपने दोपहिया और चारपहिया वाहनों से यात्रा करते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण उन्हें जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है।

श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों ने लोक निर्माण विभाग से इस मार्ग की तुरंत मरम्मत कराने की मांग की है ताकि यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा मिल सके।

इस मार्ग पर कई छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिससे गंभीर और घातक दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई है।

इस सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग, काटोल उपविभागीय (राज्य) के माध्यम से किया गया था, लेकिन अब इसकी स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। स्थानीय नागरिकों और भक्तों ने कई बार सड़क मरम्मत की मांग की है। जनप्रतिनिधियों ने भी इस सड़क की मरम्मत को आवश्यक बताया है, लेकिन निधि की कमी के कारण अब तक सुधार कार्य नहीं हो सका है।

पोरवाल कॉलेज के रासेयो छात्रों ने किया आईसीटीसी का दौरा

कामठी.

सेठ केसरीमल पोरवाल कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना तथा रेड रिबन क्लब के विद्यार्थीयोने उपजिला रुग्णालय कामठी के आय.सी.टी.सी. विभाग का गुरुवार को दौरा किया।

इस अभ्यासपूरक दौरे की आगुवाई राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनोद शेंडे ने की। महिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निशिता अंबादे भी इस दौरे मे विद्यार्थीयो के साथ थी। उपजिला रुग्णालय कामठी के आय.सी.टी.सी. विभाग याने एड्स नियंत्रण विभाग की प्रमुख कविता शंभरकर ने कार्यक्रम अधिकारी तथा विद्यार्थीयो का स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थीयो को एच.आय.व्ही. और एड्स के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थीयोसे एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजीत करने की अपील भी की. राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनोद शेंडे ने हॉस्पिटल के सभी कर्मचारियो को आश्वासित किया कि उनके विद्यार्थी निश्चित रूप से एड्स हटाओ जागरूकता मुहिम मे बढचढ कर भाग लेंगे और समाज जागरूकता करेंगे।

बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र प्रज्वल सोलंकी ने कॉलेज के ओर से हॉस्पिटल के सभी कर्मचारियो, कविता शंभरकर मॅडम, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनोद शेंडे, निशिता अंबादे तथा सभी विद्यार्थीयो का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु महेश धोंगडे, पुजा चौधरी, प्रणित पाटील, अन्शिता पिल्ले, प्रज्वल सोलंकी, नकुल बिस्वास, बलराम सिंग, मनस्वी बोरकर, कांचन पटले, सिद्धेश अगुटलेवार, अरबाज कुरेशी, लोकेश वी, युवती पिल्ले और रुबीसा अन्सारी ने विशेष प्रयास किये।

शुभांक		
श्रीदेवी	460-0	123-6
श्रीदेवी नाईट	140-5	778-2
प्रभात	289-9	125-8
प्रभात नाईट	689-3	-
डायमंड	136-0	180-9
मेन बाजार	-	-
मिलन डे	230-5	156-2
मेन रतन	170-8	780-5
कल्याण	300-3	289-9
राजधानी डे	488-0	350-8
राजधानी नाईट	-	-
कुबेर डे	-	-
डायमंड नाईट	134-8	890-7

निधन वार्ता

निधन समाचार के नि:शुल्क प्रकाशन हेतु संपर्क करे हमे ई-मेल करे ngpms2019@gmail.com

विमल नामदेवराव नागदेवते

नागपुर. विमल नामदेवराव नागदेवते का 85 वर्ष की आयु में 6 मार्च को वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 12 बजे वैशाली निर्वाण घाट पर किया जायेगा.

अमरावती में 'सीसीआई' की कपास खरीदी फिर बंद

> अगले आदेश तक बंद रहेगी खरीद

> कपास की बढ़ती खरीद के कारण लिया गया निर्णय

अमरावती.

सीसीआई ने गुरुवार 6 मार्च से अमरावती में सीसीआई के माध्यम से कपास की खरीद अचानक बंद कर दी है, जिससे कपास किसानों के सामने संकट खड़ा हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि सीसीआई ने पहले 11 फरवरी से अमरावती में कपास की खरीद बंद कर दी थी। इसके बाद 28 फरवरी को अमरावती जिले के केंद्रों पर कपास की खरीद शुरू की गई। महज छह दिन बाद ही अमरावती के 4 केंद्रों पर खरीदी अगले आदेश तक रोक दिए जाने से किसान कड़ी नाराजगी जता रहे हैं।

कपास का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है। कपास की दूसरी खेप

के बाद सीसीआई ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए 11 फरवरी से कपास की खरीद बंद कर दी। तकनीकी कारण यह बताया गया कि पोर्टल में दिक्कतें थीं। लेकिन, बताया जा रहा है कि केंद्रों पर आने वाली कपास की मात्रा कम होने की आशंका के चलते यह खरीद बंद कर दी गई है। इसके बाद किसी तरह 28 फरवरी को दोबारा खरीदारी शुरू हुई। लेकिन ब्रेक सिर्फ छह दिन में ही लग गया। विश्वस्त सूत्र से जानकारी मिल रही है कि क्षमता से अधिक खरीदारी के कारण कपास की गांठें रखने की जगह नहीं है। लेकिन संपर्क करने पर कोई भी संबंधित अधिकारी वास्तविक कारण बताने को तैयार नहीं है। अमरावती एपीएमसी में भातकुली में 2, नंदगांव पेठ में 1 और चांगापुर में 1 ऐसे चार केंद्रों पर सीसीआई के माध्यम से गारंटीकृत मूल्य 7411 रुपये प्रति क्विंटल से शुरू हो रहा था। लेकिन अब घोषणा की गई है कि यह खरीद 6 मार्च से बंद की जा रही है। दो बैचों के बाद मोटे क्वालिटी का कपास बाजार में आता है। 'सीसीआई' ये कपास नहीं खरीदती। पहले दो बैचों से कपास खरीदते समय भी सीसीआई ने दूसरे बैच से कपास की गारंटीशुदा कीमत रुपये कम कर दी।

केंद्र बंद होने का व्यापारियों ने उठाया फायदा

किसानों ने सबसे पहले सीसीआई को प्राथमिकता दी क्योंकि खुले बाज़ार में गारंटीशुदा दर से कम दर थी। पहली खेप का अधिकांश कपास सीसीआई द्वारा गारंटीशुदा दरों पर खरीदा गया है। इसलिए निजी बाजार में कारोबार पर बड़ा असर पड़ा है। दूसरे बैच से कुछ कपास व्यापारियों द्वारा खरीदा गया है। इस बीच सीसीआई ने कपास की खरीद बंद कर दी। इसका फायदा उठाते हुए व्यापारियों ने यह कहते हुए कपास में कटौती शुरू कर दी है कि फसल में प्रति एक किलो में दो किलो तक कम रुई निकल रही है। सीसीआई को 34 किलोग्राम तक कपास के अर्क की आवश्यकता होती है। कुछ किसानों को 38 किलो तक कपास का उतारा हुआ है।

सब्जियों की कीमत में गिरावट

> किसानों को करना पड़ रहा वित्तीय संकट का सामना

अकोला.

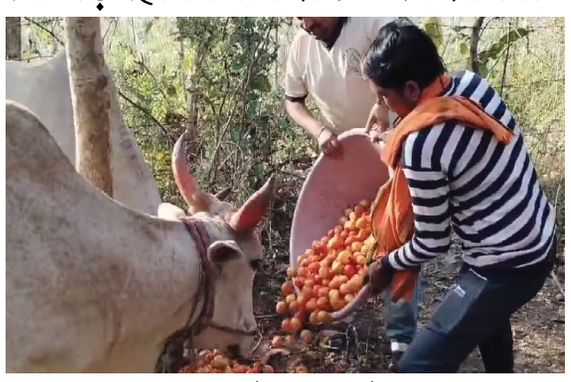

अपने गुणवत्तापूर्ण सब्जी उत्पादन के लिए प्रसिद्ध बार्शीटाकाली का जनुना पुनर्वास गांव वर्तमान में वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। बाजार में सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण किसानों के लिए उत्पादन लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। आर्थिक निवेश से सब्जियों का उत्पादन बढ़ाया गया, लेकिन बाजार में भाव नहीं मिलने से भारी घाटा हो रहा है।

मौजूदा समय में टमाटर की कीमत रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। 20 किलो के एक कैरेट की कीमत महज 50 से 60 रुपये ही मिल रही है। इस दर पर वे किसान श्रम लागत और वाहन किराया भी नहीं निकाल पा रहे हैं, जिसके चलते कई किसानों ने टमाटर को तोडना बंद कर दिया है। नतीजतन, फसलों को मवेशियों को खिलाने का समय आ गया है। जनुना पुनर्वास गांव सब्जी और बगीचे की खेती में अपने अभिनव प्रयोगों के लिए जाना जाता है।

पारंपरिक फसलों के बजाय यहां के किसान लोबिया, लौकी, खीरा, टमाटर, करेला, तुरई, डोडका, मेथी, पालक, धनिया, मिर्च और शिमला मिर्च जैसी विभिन्न फसलें उगाते हैं। खेती में की जाने वाली मेहनत, छिड़काव, निराई-गुड़ाई, उर्वरक प्रबंधन और नियोजित फसल कटाई से इस क्षेत्र के किसानों को अच्छी कीमत मिलती थी।

हालांकि, पिछले कुछ महीनों से सब्जियों की कीमतों में गिरावट आई है और किसानों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है. सरकार को तत्काल उपाय लागू करना चाहिए और सब्जी किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए। ऐसी मांग किसानों की ओर से आ रही है.

आरोपी वाल्मीक कराड के पुतले को दी फांसी

> शिवसेना का विरोध प्रदर्शन, सख्त कार्रवाई करने की मांग

अकोला.

शिवसेना द्वारा बीड जिले के मस्साजोग में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के आरोपी वाल्मीक कराड के पुतले को फांसी देकर विरोध प्रदर्शन किया गया। शिवसैनिकों ने इस हत्याकांड के सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। यह विरोध प्रदर्शन बस स्टेशन के सामने मदनलाल ढींगरा चौक पर किया गया।

संतोष देशमुख, लगातार तीन वर्षों तक बीड जिले के केज तहसील में मस्साजोग के सरपंच थे। उनका अपहरण कर लिया गया और बेरहमी से हत्या कर दी गई।

सरपंच देशमुख हत्या मामले में आरोप पत्र में आरोपी नंबर 1 के रूप में वाल्मीक कराड को नामित किया गया है। वह राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के नेता और पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी माने जाते हैं। वहीं, महायुति के घटक दल शिंदे गुट ने भी इस हत्याकांड को लेकर जिले में विरोध प्रदर्शन किया।

इसलिए अजित पवार गुट और शिंदे गुट के बीच सियासी खींचतान के संकेत मिल रहे हैं। आरोपियों ने क्रूरता की पराकाष्ठा के पार जाकर देशमुख की हत्या कर दी।

उनकी तस्वीरें सामने आने के बाद आरोपियों के खिलाफ गुस्से की लहर फैल गई है। शिवसैनिकों ने फ्लाईओवर पर आरोपी वाल्मीक कराड का प्रतीकात्मक पुतला लटकाया गया। पुतले पर चप्पल मारते हुए कराड के खिलाफ नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बीड में संतोष देशमुख हत्याकांड आम आदमी को झकझोर देने वाला है। आरोपियों ने क्रूरता की हदें पार कर दीं। इन हत्याओं के वीडियो और तस्वीरें वायरल की गईं। शिवसेना जिला प्रमुख अश्विन नवले ने सवाल कि ऐसे अपराधियों के खौफ से सामान्य नागरिक कैसे जिए?

फिर गरमाया बांग्लादेशी रोहिंग्याओं का मामला

अमरावती. बांग्लादेशी रोहिंग्या के संदिग्ध मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस बीच भाजपा नेता किरीट सोमैया ने अमरावती पुलिस को 30 संदिग्धों की एक और लिस्ट सौंपी है, जिसके बाद गाडगेनगर पुलिस स्टेशन द्वारा संदिग्धों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा दस्तावेज की जांच शुरू किये जाने से रात के समय पुलिस स्टेशन में भारी भीड़ देखने को मिल रही है। सभी के दस्तावेज की बड़ी बारीकी से जाँच की जा रही है। अमरावती जिले में अब तक कई मामलों में नकली दस्तावेज पेश किए जाने के आरोप में 14 लोगों के खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस इस मामले में गंभीरता से जांच कर रही है और कठोर कदम उठा रही है। किरीट सोमय्या ने इस मामले में नई जानकारी देने की बात कही है। वे अमरावती का बार-बार दौरा भी कर रहे हैं और रोहिंग्या का मुद्दा भी उठा रहे हैं। वे बांगलादेशी रोहिंग्या और उनके बनावटी दस्तावेजों से जुड़े मामले में पुलिस जांच के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे।

विद्यार्थी अपने गुणों को पहचान कर समाज-हित में करें उपयोग: अग्निहोत्री

वर्धा.

अग्निहोत्री कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और अग्निहोत्री पॉलिटेक्निक, नागठाणा की ओर से 'टेक-ऐस 2025' नामक बहुप्रतीक्षित तकनीकी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में जय महाकाली शिक्षण संस्था के अध्यक्ष पं. शंकर प्रसाद अग्निहोत्री विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था के सचिव सचिन अग्निहोत्री के मार्गदर्शन और सहयोग से इस भव्य आयोजन की संकल्पना को साकार किया गया।

संस्थाध्यक्ष पं. शंकर प्रसाद अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों को अपने गुणों की पहचान कर समाज के हित में योगदान देने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हर छात्र को आत्मविश्लेषण कर यह समझना चाहिए कि वह समाज के लिए क्या नया और उपयोगी कर सकता है। वहीं, प्राचार्य प्रा. अभिषेक कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को उनके कौशल का सही दिशा में उपयोग करने पर मार्गदर्शन दिया। इस तकनीकी महोत्सव में छात्रों ने विभिन्न रचनात्मक और नवाचारी परियोजनाओं को प्रदर्शित किया। इनमें से एक अनूठा प्रोजेक्ट था, जिसमें प्रत्येक पेड़ के पास एक क्यूआर कोड लगाया गया। इस क्यूआर कोड को स्कैन करने पर उस पेड़ की संपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन स्वयं संस्थाध्यक्ष पं. शंकर प्रसाद अग्निहोत्री द्वारा किया गया। कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग ने एक अभिनव सीओ-पिओ मैपिंग एंड अटेनमेंट सॉफ्टवेयर विकसित किया, जिससे यह प्रक्रिया अधिक सरल और प्रभावी हो गई। यह सॉफ्टवेयर प्राध्यापकों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा, क्योंकि यह उनका समय बचाने के साथ-साथ उनके कार्य को भी अधिक व्यवस्थित बनाएगा। इस प्रकल्प का उद्घाटन भी पं. शंकर प्रसाद अग्निहोत्री के करकमलों द्वारा किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को सम्मान चिन्ह, प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में अग्निहोत्री कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्राचार्य प्रा. अभिषेक कुमार सिंह, अग्निहोत्री पॉलिटेक्निक की ओर से प्रा. गौरी बोडके, आईक्यूएसी विभाग प्रमुख प्रा. शैलेश वाटेकर, कंप्यूटर साइंस विभाग प्रमुख प्रा. नूतन धांदे और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस महोत्सव की सफलता में अभियांत्रिकी महाविद्यालय के सभी विभाग प्रमुखों, प्राध्यापकों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा।

कृतिका तराले का राष्ट्रीय अष्टेडू आखाडा स्पर्धा के लिए चयन

हिंगनघाट. शिवकालीन मर्दानी खेल के तहत आयोजित राज्यस्तरीय शालेय अष्टेडू आखाडा स्पर्धा में भारत विद्यालय, हिंगणघाट की छात्रा कृतिका किशोर तराले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ ही उसका राष्ट्रीय अष्टेडू आखाडा स्पर्धा के लिए चयन हुआ है।

यह स्पर्धा क्रीडा व युवक सेवा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य पुणे, जिला क्रीड़ा परिषद भंडारा, जिला क्रीडा अधिकारी कार्यालय भंडारा और भंडारा जिल्हा अष्टेडू आखाडा एसोसिएशन के संयुक्त विद्यमान में दिनांक 4 व 5 मार्च को पवनी में संपन्न हुई। कृतिका, जो भारत विद्यालय की कक्षा 9वीं (ड) की छात्रा है, ने इस प्रतियोगिता में हस्तकला खेल प्रकार में हिस्सा लिया और अपने शानदार खेल से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उसकी इस उपलब्धि पर प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसायटी, हिंगणघाट के अध्यक्ष गोकुलदासजी राठी, उपाध्यक्ष श्याम भीमनवार, विद्यालय परिवार ने उसे बधाई दी और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

राखी बेतवार को राज्यस्तरीय मेधावी महिला पुरस्कार

हिंगनघाट.

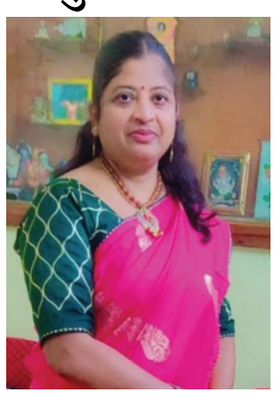

वर्धा जिले के शहर की शिक्षिका राखी संजय बेतवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय मेधावी महिला पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार मातृसेवा फाउंडेशन, ठाणे और शिक्षा ध्येय द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया जा रहा है। राखी बेतवार संजय गांधी विद्या विहार कॉन्वेंट स्कूल में सहायक शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं और विद्या भारती शिक्षण संस्था का संचालन भी कर रही हैं। उन्होंने विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया था, जहां उन्होंने "शिक्षण में लघु खेलों का महत्व" विषय पर अपनी अनूठी पहल प्रस्तुत की। उनके इस अभिनव योगदान को सराहते हुए उन्हें राज्य स्तरीय कर्तृत्वन महिला पुरस्कार से नवाजा जा रहा है। राखी बेतवार की इस उपलब्धि पर विद्या भारती शिक्षण संस्था के अध्यक्ष रमेश बाबू शर्मा, सचिव शरद शिर्के, शिक्षा ध्येय के कार्यकारी संपादक प्रभाकर कोलसे, मिलिंद दीक्षित, यशोमंगल शैक्षणिक परामर्श प्रमुख दीपाली दीक्षित और पद्मशाली समाज मंडल, हिंगणघाट की ओर से हार्दिक बधाइयाँ दी गई हैं। यह सम्मान न केवल राखी बेतवार के लिए बल्कि पूरे हिंगणघाट और वर्धा जिले के लिए गर्व की बात है।

एस.एम.डब्ल्यू. इस्पात कंपनी के श्रमिकों की हड़ताल समाप्त

वर्धा.

देवली इंडस्ट्रियल वसाहत स्थित एस.एम.डब्ल्यू. इस्पात कंपनी में कार्यरत स्थायी और ठेका श्रमिकों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 1 मार्च से जारी हड़ताल समाप्त हो गई है। कंपनी प्रबंधन द्वारा सभी मांगों को स्वीकार किए जाने के बाद श्रमिकों ने हड़ताल खत्म करने की घोषणा की।

कंपनी प्रबंधन द्वारा हड़ताल समाप्त कराने के प्रयासों के चलते श्रमिकों और अधिकारियों के बीच तनाव पैदा हो गया था। कुछ अधिकारियों द्वारा श्रमिकों को काम पर न लौटने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी गई थी, जबकि कुछ को जबरन काम पर लाने की कोशिश की गई। इस पर नाराज श्रमिकों ने कंपनी की बसों को रोकना शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस को बड़ी संख्या में तैनात किया गया और स्थिति नियंत्रण में लाई गई। स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए जिला कामगार अधिकारी सिद्धेश्वर फड और देवली पुलिस थाने के थानेदार रविंद्र शिंदे की मध्यस्थता में देर रात एक बैठक आयोजित की गई।

इसमें कंपनी प्रबंधन की ओर से रमेश नाथ, प्रबंधक अनुप कुबडे, प्रकाश दुधकोहले और श्रमिक प्रतिनिधि तुषार उमाले, स्वप्निल देवताले, जे.पी. यादव मौजूद रहे। बैठक के दौरान, कंपनी प्रबंधन ने श्रमिकों की सभी मांगों को मानते हुए जिला श्रम अधिकारी को लिखित आश्वासन दिया।

इसके बाद श्रमिकों ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। हड़ताल की समाप्ति के बाद श्रमिकों ने खुशी जताई और तुषार उमाले को भगवा दुपट्टा और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर आभार व्यक्त किया। अपने समापन भाषण में तुषार उमाले ने जिला कामगार अधिकारी सिद्धेश्वर फड, देवली पुलिस थानेदार रविंद्र शिंदे, कंपनी महाप्रबंधक शाम मुंदड़ा, रमेश नाथ, अनुप कुबडे, प्रकाश दुधकोहले सहित सभी का आभार व्यक्त किया। इस आंदोलन को सफल बनाने में संभाजी ब्रिगेड वर्धा जिला पदाधिकारी अतुल शेंद्रे, राहुल गजबिये, बिपिन नगराले, प्रवीण ढाले, मिलिंद ढेवले, अविष गोमासे, चारुदत्त कावले, आलोक चौधरी, अविनाश पवार, अमोल कांबळे सहित कई कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया, जिनका भी आभार व्यक्त किया गया।

आंदोलन की समाप्ति के बाद यह सहमति बनी कि श्रमिक ईमानदारी से अपना काम करेंगे और कंपनी प्रबंधन भी किसी भी श्रमिक को परेशान नहीं करेगा। उम्मीद जताई गई कि आगे भी कंपनी और श्रमिकों के बीच अच्छे संबंध बने रहेंगे।

दो दिनों से चल रही घंटा-गाड़ी हड़ताल समाप्त

> थानेदार देवेंद्र ठाकुर की मध्यस्थता से निकला समाधान

हिंगनघाट.

शहर में पिछले दो दिनों से चल रही घंटा गाड़ी कर्मचारियों की हड़ताल आखिरकार समाप्त हो गई। थानेदार देवेंद्र ठाकुर की मध्यस्थता के बाद हड़ताल को अस्थायी रूप से वापस ले लिया गया है।

नगर निगम क्षेत्र, जिसकी आबादी लगभग 1.25 लाख है, में नागपुर के एक ठेकेदार द्वारा घंटा गाड़ी का संचालन किया जा रहा है। कर्मचारियों को कई दिनों से वेतन नहीं मिलने और अन्य मांगें पूरी न होने के कारण कर्मचारियों ने दो दिन पहले हड़ताल शुरू कर दी थी। आज, हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने अग्निशमन विभाग कार्यालय में आक्रामक रुख अपनाया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। ठेकेदार द्वारा पहले दिए गए लिखित आश्वासन पूरे नहीं किए जाने से कर्मचारियों में भारी नाराजगी थी। घटनास्थल पर पहुंचे थानेदार देवेंद्र ठाकुर ने नगर निगम अधिकारियों, ठेकेदार प्रतिनिधियों और कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए हिंगनघाट पुलिस स्टेशन में चर्चा बैठक आयोजित की गई। लंबी चर्चा और समझाइश के बाद कर्मचारियों ने हड़ताल खत्म करने का फैसला किया।

नागरिकों को राहत

हड़ताल समाप्त होने के बाद आज से नगर पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों में घंटा गाड़ियां फिर से काम पर लौट आई हैं।

होली पर अवैध शराब तस्करी और बिक्री करने वालों पर पुलिस की सख्त कार्रवाई

वर्धा.

होली के मद्देनजर पुलिस प्रशासन अवैध शराब की बिक्री और तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठा रहा है। इसी क्रम में, सावंगी मेघे पुलिस को 4 मार्च को सूचना मिली कि दो युवक सफेद रंग की बर्गमैन गाड़ी से सालोड से सावंगी रोड के सैनी होटल के पास से दर्शना चर्च की ओर अवैध रूप से विदेशी शराब की तस्करी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर नाकेबंदी कर दी और दो आरोपियों शुभम राजेश दुबे (23 वर्ष, निवासी महादेवपुरा, वर्धा) और आयुष सुभाषराव केवट (21 वर्ष, निवासी ईतवारा बाजार, वर्धा) को सफेद रंग की सुझुकी बर्गमैन मोपेड के साथ पकड़ा। पुलिस ने कुल ₹,18,000 के अवैध शराब और वाहन को जब्त किया। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 203/2025 के तहत महाराष्ट्र शराबबंदी कानून की धारा 65(ई), 77(ए), और 83 के तहत मामला दर्ज किया गया। इसी तरह, 6 मार्च को पुलिस को सूचना मिली कि योगिता तिडके, निवासी उमरी मेघे, अपने घर पर चोरी-छिपे देशी (गावठी) मोह शराब की बिक्री कर रही है। पुलिस ने उनके घर पर छापा मारा और जांच के दौरान घर के बाहर खड़ी सुझुकी एस्सेस मोपेड की डिक्की से 14 प्लास्टिक की बोतलों में 14 लीटर गावठी मोह शराब बरामद की। पुलिस ने कुल ₹ 51,400 मूल्य का अवैध माल जब्त कर लिया और आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 214/2025 के तहत महाराष्ट्र शराबबंदी कानून की धारा 65(ई) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 130/177 के तहत मामला दर्ज किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई

इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक अनुराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक सागर कवडे और उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मकेश्वर के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। इसमें सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप कापड़े, थाना प्रभारी सावंगी मेघे, और अपराध प्रगटीकरण पथक के पुलिस अधिकारी सतिष दरवरे, संजय पंचभाई, अनिल वैद्य, निखिल फुटाणे और अमोल जाधव ने अहम भूमिका निभाई। अपराध की जांच पुलिस हवलदार संजय पंचभाई कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि होली के दौरान अवैध शराब की बिक्री और तस्करी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

मातंग समाज के लिए स्वतंत्र निधि की मांग

वर्धा.

> बहुजन रय्यत परिषद ने सौंपा ज्ञापन

बहुजन रयत परिषद की ओर से मातंग समाज को मुख्यधारा में लाने और उनकी प्रलंबित योजनाओं के लिए आवश्यक निधि जल्द से जल्द जारी करने की मांग की गई है। इसके तहत महाराष्ट्र सरकार के आर्थिक बजट में मातंग समाज के विकास के लिए स्वतंत्र निधि की व्यवस्था करने की अपील मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की गई है।

परिषद के विदर्भ तथा जिला अध्यक्ष अजय डोंगरे, महिला अध्यक्ष सौ. हीरा खडसे, वरिष्ठ समाजसेवी नारायण आमटे, जिला उपाध्यक्ष किशोर वाघमारे की अगुवाई में यह ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में मातंग समाज के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं में निधि उपलब्ध कराने, समाज के युवाओं को उद्यमिता, शिक्षा, आर्थिक और सामाजिक समानता का लाभ देने की मांग की गई। साथ ही, महान समाज सुधारक अण्णाभाऊ साठे को 'भारत रत्न' सम्मान प्रदान करने और वस्ताद लहुजी सालवे अध्ययन आयोग की सिफारिशों को सरकार द्वारा स्वीकृति देकर योजना में स्वतंत्र निधि देने की अपील की गई। इसके अलावा, डॉ. अण्णाभाऊ साठे संशोधन व प्रशिक्षण केंद्र को केंद्र सरकार से अनुमति दिलाने और इसके लिए स्वतंत्र निधि उपलब्ध कराने, मातंग समाज की बस्तियों को नियमित कर उन्हें घरकुल योजना का लाभ देने की भी मांग की गई। परिषद ने सरकार से अण्णाभाऊ साठे महामंडल, प्रधानमंत्री रोजगार योजना, महिला समृद्धि योजना, एनएफडीसी, शैक्षणिक कर्ज जैसी योजनाओं के लिए 1000 करोड़ रुपये की निधि आवंटित करने और जमानतदार की शर्त को समाप्त करने का अनुरोध किया। साथ ही, अनुसूचित जाति वर्ग के अंतर्गत ए, बी, सी, दी उपवर्गीकरण की रिपोर्ट को महाराष्ट्र सरकार द्वारा शीघ्र लागू करने, बैंड कलाकारों को कलाकार का दर्जा देने और बुजुर्ग कलाकारों को ₹3000 मासिक मानधन देने की मांग की गई। ज्ञापन में सरकार से वस्ताद लहुजी साळवे के अंतरराष्ट्रीय स्मारक (संगमनेर, पुणे) और डॉ. अण्णाभाऊ साठे के अंतरराष्ट्रीय स्मारक (चिरागनगर, मुंबई) के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की अपील की गई। अजय डोंगरे ने स्पष्ट किया कि यदि महाराष्ट्र सरकार अपने बजट में मातंग समाज के विकास के लिए स्वतंत्र निधि की व्यवस्था नहीं करती है, तो बहुजन रयत परिषद आम जनता के सहयोग से तीव्र आंदोलन करेगी।

इस अवसर पर परिषद के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें विनोद आमटे (तालुका अध्यक्ष, देवली), किशोर मुंगले, सुभाष सरकटे (तालुका अध्यक्ष, आर्वी), भैया मुंगले और दिगंबर सनेसर शामिल थे।

अंडरपास के गड्ढे में गिरने से वृद्ध की मौत

अमरावती.

भातकुली रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास के लिए दोनों दिशाओं में खोदे गए गड्ढे में गिरने से क्षेत्र के एक व्यक्ति की मौत हो गई। मंगलवार को दोपहर में हुए इस हादसे ने अंडर पास के ठप पड़े निर्माण को लेकर सवालिया निशान लगा दिया है। मृतक का नाम अशोक महादेव पहोकार (60, राधा सिटी, भातकुली रोड) है। रेल विभाग द्वारा नवंबर 2024 में शुरू किए गए अंडर पास के निर्माण के लिए एनओसी नहीं लिए जाने का कारण बताकर लोक निर्माण विभाग ने बकायदा खोलापुरी गेट थाने में पुलिस रिपोर्ट दी थी। जिसके बाद सवा महीने से अंडर पास का निर्माण कार्य ठप पड़ा है। इसी बीच,

इसी गड्ढे में गिरने से एक क्षेत्रवासी की मौत हो जाने से क्षेत्रवासियों में जबरदस्त आक्रोश देखा जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार रेल विभाग ने अंडर पास के लिए सड़क के दोनों ओर खोदे गए गड्ढों के सामने ड्रम रखे गए थे, लेकिन दो ड्रम चोरी हो गए। मंगलवार को दोपहर में इस मार्ग से अपने घर की ओर जा रहा अशोक पहोकार सीधे अंडर पास के गड्ढे में गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। अशोक चित्रा चौक स्थित इंद्रपुरी होटल में काम करता था।

पुलिस ने तत्काल उसे जिला सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को उसका शव परिजनों को सौंपा गया। पता चला है कि इस मामले में कलेक्टर ने रेल विभाग को लोक निर्माण विभाग की एनओसी लेने के निर्देश दिए हैं। एनओसी मिलने के बाद ही रेल विभाग अंडर पास का निर्माण आगे बढ़ा पाएगा। तब तक काम ठप पड़ रहेगा।

पार्वतीनगर होते हुए गुजरना पड़ रहा

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 नवंबर में रेल विभाग ने भातकुली रेलवे क्रॉसिंग पर अंडर पास निर्माण शुरू किया। इसके लिए क्रॉसिंग की दोनों ओर बड़ा सा गड्ढा खोदा गया है। काम आगे बढ़ने के पहले ही लोक निर्माण विभाग के शहर शाखा ने हमारी एनओसी नहीं लिए जाने का कारण बताकर आपत्ति जताई। पुलिस में रिपोर्ट की। जिसके बाद सवा माह से अंडर पास का निर्माण कार्य ठप पड़ा है। जिसके कारण भातकुली क्रॉसिंग पार कर अमरावती शहर आने-जाने वाले लोगों को पार्वती नगर होते हुए गुजरना पड़ रहा है। यह रोड भी खराब है। ट्राफिक भी अत्यधिक रहता है। जिससे डेली अप-डाउन करने वाले हजारों राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

16 साल बाद भी भूमिहीनों को जमीन नहीं दे पाया सामाजिक न्याय विभाग

भंडार.

राज्य के अनुसूचित जाति व नवबौध्द प्रवर्ग के लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध हो इस लिए भूमिहीन खेत मजदूरों को राज्य सरकार द्वारा कर्मवीर दादासाहाब गायकवाड स्वाभिमान व सशक्तिकरण योजना सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से चलायी जाती है। गत 20 वर्ष से यह योजना चलायी जा रही है। अब तक इस योजना के माध्यम से भंडारा जिले के 76 भूमिहीन खेत मजदूरों को लाभ दिया गया। वर्ष 2004–05 तथा 2007 – 2009 इस काल में 76 भूमिहीन नागरिकों को 162.1 एकड़ जमीन का वितरण किया गया। जिसके बाद वर्ष 2008–09 से 2024 तक 16 वर्ष खत्म होकर एक भी लाभार्थी को इस योजना का लाभ नहीं मिला।

कर्मवीर दादासहाब गायकवाड सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति व नवबौध्द प्रवर्ग के अल्पभूधारक किसानों को शासन द्वारा जमीन की खरीदी करने के लिए 50 प्रतिशत बिना ब्याज का कर्ज व 50 प्रतिशत अनुदान स्वरूप में रकम दी जाती है। लाभार्थी गरीबी रेखा के नीचे आने वाला मजदूर रहना जरूरी है। 18 से 60 वर्ष आयु होकर भूमिहीन खेत मजदूर महिला, विधवा, अनुसूचित जाति, जमाति अत्याचार प्रतिबंधक कानून अंतर्गत अनुसूचित जाति अत्याचारग्रस्त को प्राधान्य दिया जाता है। योजना के लिए 16 वर्ष में भंडारा जिले में एक भी लाभार्थी नहीं मिला।

योजना विफल साबित हो रही है

ऐसे में यह योजना दस्तावेजों तक सीमित रह गई है। राज्य सरकार की यह योजना दुर्बल वर्ग के लिए है। योजना दुर्बल घटक के सशक्तिकरण का दावा करती है। लेकिन लालफीतशाही से योजना विफल साबित हो रही है। योजना में शासन चार एकड़ बिना सिंचाई व दो एकर सिंचाई जमीन खरीदी करने के लिए लाभार्थियों के लिए अनुदान देता है। लेकिन शासन को जमीन नहीं मिलने से यह योजना अधर में पड़ गई है।

स्टार्ट अप पर बैंकों का ब्रेक

> लापरवाही के चलते कई आवेदक लाभ से वंचित

नागपुर.

राज्य सरकार युवाओं के कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई नई योजनाएं ला रही है, लेकिन बैंकों के टाल-मटोल रवैए से उन पर ब्रेक लगता हुआ नजर आ रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना (सीएमईजीपी) के तहत इस वर्ष 2,700 में से केवल 582 आवेदनों को ही मंजूरी मिल पाई है। बैंकों से पूछताछ करने पर उन्होंने कर्मचारियों की कमी का हवाला दिया है।

राज्य सरकार द्वारा लायी गयी मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना (सीएमईजीपी), जो नए उद्योगों को स्थापित कर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का उद्देश्य रखती है, बैंकों की लापरवाही के कारण अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर पा रही है। योजना के अंतर्गत उद्योग स्थापित करने वाले लाभार्थियों को सब्सिडी प्रदान की जाती है, जो उद्योग निदेशालय द्वारा नामित बैंकों के माध्यम से लाभार्थी के बैंक खाते में जमा की जाती है। हालांकि, बैंकों द्वारा आवेदकों को उचित जवाब नहीं दिए जाने और पर्याप्त जानकारी प्रदान न करने के कारण कई लोग इस योजना का लाभ लेने से

वंचित रह रहे हैं।

जिला उद्योग केंद्र, नागपुर में यह आवेदन नि:शुल्क भरा जाता है, लेकिन बैंकों के उदासीन रवैये और नागरिकों में योजना की पर्याप्त जानकारी न होने के कारण कई लोग इससे वंचित रह रहे हैं। योजना में कुल 13 शासकीय बैंकों की भागीदारी है। जिला उद्योग केंद्र, नागपुर के महाव्यवस्थापक शिवकुमार मुद्दमवार ने बताया कि नागपुर में इस योजना को सफल बनाने में जिलाधिकारी डॉ. विपिन इटनकर का बहुमूल्य सहयोग रहा है। इस योजना का उद्देश्य जिले में नए उद्योगों को बढ़ावा देना है। इस वर्ष अधिक से अधिक नागरिकों को इस योजना का लाभ मिले, यह हमारी प्राथमिकता है। सरकार अब इस योजना के प्रचार-प्रसार में सुधार और बैंकों के कामकाज पर कड़ी निगरानी रखने की दिशा में कदम उठा सकती है, ताकि अधिक लोग इस योजना का लाभ ले सकें।

इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को 5 लाख से 50 लाख तक का कर्ज दिया जाता है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जमाति, महिलाओं को केवल 5 प्रतिशत स्वयं भागीदारी तथा इतर प्रवर्ग को 10 प्रतिशत स्वयं भागीदारी पर कर्ज मुहैया कराया जाता है।

योजना में लाभार्थी की आयु सीमा 18 से 45 वर्ष होनी चाहिए, आवेदक महाराष्ट्र का निवासी होना चाहिए, 10 से 25 लाख रुपये की परियोजना लागत वाले आवेदकों को कम से कम 7 वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए, 25 लाख रुपए की परियोजना लागत के लिए आवेदक को कम से कम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

अब गोरेवाड़ा बचाव केंद्र में बनेंगे 40 नए पिंजरे, सुरक्षित रहेंगे वन्यजीव

नागपुर.

गोरेवाड़ा बचाव केन्द्र की जल्द ही क्षमता बढ़ने वाली है। यहां नये 40 केज (पिंजड़े) तैयार किये जाएंगे, जिसमें 20 बाघों के लिए और 20 तेंदुएं के लिए होंगे। इसका काम आगामी 15 दिनों में शुरू होने वाला है। इसके बाद यहां बाघ व तेंदुओं को रखने की क्षमता दुगनी हो जाएगी। इस क्षमता के बाद जहां एक ओर यह राज्य का बड़ा बचाव केन्द्र बन जाएगा, वहीं दूसरी ओर वर्तमान में हाउसफुल जैसी परिस्थिति से जूझना नहीं पड़ेगा। वर्तमान में बाघों के लिए यहां 10 केज रिजर्व हैं, लेकिन यहां अभी 16 बाघ हैं।

ऐसे में बाघों को तेंदुए के पिंजरे में शिफ्ट किया गया है। हालांकि सुविधा व सुरक्षा के मामले में कोई परेशानी नहीं होती है। बाघों को जू में शिफ्ट करने का प्रस्ताव भेजा : यहां विभिन्न कारणों से यहां लाये गये बाघों में 15 बाघों को अगले 3 महीने में विभिन्न जगहों पर भेजा जाएगा। जैसे नगालैंड, इंदौर जैसी जगहों पर भेजकर यहां से दूसरे वन्यजीव जू में रखने के लिए मांगे जाने वाले हैं। कई बाघ विपरीत

सुरक्षा में फर्क नहीं: वर्तमान स्थिति में यहां पर 16 बाघ हैं, तेंदुए के पिंजरे में व बाघों के पिंजरे में केवल नाम का फर्क है, सुरक्षा सुविधा का कोई फर्क नहीं है। सभी बाघ सही तरह से हैं। साथ ही जल्दी नए 40 केज यहां बनाये जाने वाले हैं।

परिस्थिति के कारण इंसानों को मारने का कारण बने हैं। ऐसे में यह इन बाघों को विभिन्न जू में रखा जाने वाला है। महाराष्ट्र में बाघों की संख्या 4 सौ पार हो गई है। जिसमें केवल विदर्भ में ही 3 सौ पार बाघ मौजूद हैं। जंगल कम पड़ने से कहीं बाघ बाहर निकल रहे है, तो कहीं पर इंसान जंगली क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है। परिणामस्वरुप मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति पैदा हो रही है।

ऐसे में इंसानों के लिए घातक बनने वाले बाघों को पकड़ नागपुर के गोरेवाड़ा बचाव केन्द्र में लाया जाता है। जहां उसे लंबे समय तक रखना पड़ता है, लेकिन इन दिनों बाघों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है, कि इनके लिए स्वतंत्र पिंजरा नहीं रहे। गोरेवाड़ा बचाव केन्द्र वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण है। यहां पूरे विदर्भ से घायल वन्यजीवों को लाकर उपचार किया जाता है। यही नहीं, इंसानों के लिए घातक बने बाघ, तेंदुए, भालू आदि को भी यहीं लाकर रखा जाता है। सभी के लिए 10 से 11 स्वतंत्र पिंजरे बनाये गये हैं। इन पिंजरों में वन्यजीवों के हैबिट को देखते हुए संरचना की गई है।

14 जरूरतमंद मरीजों को 4.15 लाख की आर्थिक सहायता

> पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड की पहल

सौंसर.

पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड की पहल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पांढुर्णा जिले के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों के इलाज के लिए 4 लाख 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। यह सहायता मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना के अंतर्गत दी गई है।

इस योजना के तहत गिरीश कोरडे को 35 हजार, श्यामू मोहोड (मांगुरली) को 45 हजार, पवन (सौसर) को 65 हजार, सुखवंती मर्सकोले (पांढुर्णा) को 30 हजार, मीना चौधरी (बेरडी) को 30 हजार, रानी जैन (सौसर) को 25 हजार, भोजराज धोतके (पारडसिंगा) को 25 हजार, विशाल पंढराखेड़ी को 15 हजार, अभिषेक करांगले (खैरितायगांव) को 25 हजार, प्रवीण बाघ (निमनी) को 25 हजार, सूर्यकांत ढोके (सौसर) को 10 हजार, प्रमोद गुर्व को 25 हजार, राहुल डाबरे (पांढुर्णा) को 25 हजार, और मोरेश्वर दुमने को सहायता प्रदान की गई है। आर्थिक सहायता मिलने से गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में बेहतर इलाज मिल सकेगा। सहायता प्राप्त करने वाले मरीजों और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सांसद विवेक बंटी साहू और पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड का आभार व्यक्त किया है।

श्रीमद् भागवत कथा में गूंजे श्रीकृष्ण के उपदेश

मोहगांव. मधुबन कॉलोनी: भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ के अंतर्गत भागवताचार्य योगेंद्र महाराज शास्त्री ने कहा कि मनुष्य को निस्वार्थ भाव से अपने कर्म करते रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि ईश्वर ने जो मार्ग खोला है, उसे कोई बंद नहीं कर सकता, इसलिए व्यक्ति को निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन उसके कर्मों पर निर्भर करता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

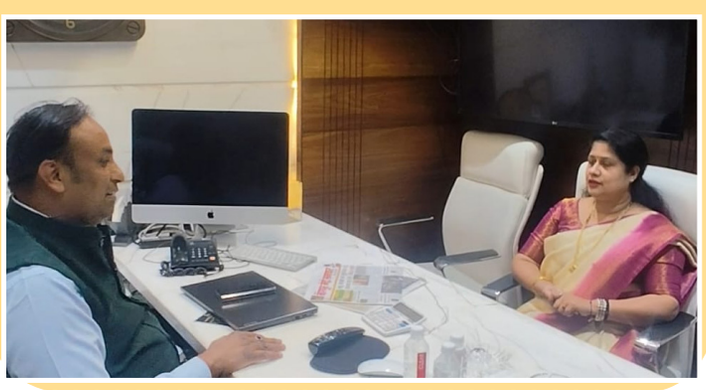

डॉ. प्रीति मानमोड़े, डॉ. ऋचा जैन और प्रज्ञा मोदी का सम्मान

नागपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के विशेष अवसर पर डॉ. प्रीति मानमोड़े, महामंत्री, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश, एवं नागपुर जिला आरोग्य सेवा समन्वय समिति की अध्यक्ष, डॉ. ऋचा आर. जैन, एमडी, डॉ. ऋचार्ज यूनिक क्लिनिक और मोदी ऑप्टिकल की संचालिका प्रज्ञा मोदी नें बी सी एन न्यूज़ चैनल एवं नागपुर मेट्रो समाचार हिंदी दैनिक के हनुमान नगर स्थित कार्यालय में सादिक्छा भेंट दी।

इस अवसर पर बीसीएन न्यूज़ ग्रुप के डायरेक्टर-सह-मुख्य संपादक, नागपुर मेट्रो समाचार हिन्दी दैनिक, इमरान शेख ने इनका आत्मीय स्वागत किया। चर्चा के दौरान इनसे महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की भूमिका पर गहन विचार-विमर्श हुआ। विभिन्न सामाजिक मुद्दों, महिलाओं के अधिकारों और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की गई।

भेंट के उपरांत मार्केटिंग टीम के प्रमुख इमरान दाऊदी और एंकर-रिपोर्टर निशा पंजवानी एवं क्षितीजा देशमुख ने तीनों अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस सार्थक संवाद ने महिला जागरूकता और समाज में उनके योगदान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रस्तुत किया।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक मुद्दों पर हुआ विचार-विमर्श